Adda247

GET IT ON Google Play

उत्तर प्रदेश LT ग्रेड परीक्षा, 2018

नागरिक शास्त्र

व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र

(परीक्षा तिथि : 29 जुलाई, 2018)

1. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

सूची -I (चिंतक)	सूची -II (कृति)
(A) हॉब्स	(1) द सोशल कॉन्ट्रैक्ट
(B) लॉक	(2) लेवियाथन
(C) रूसो	(3) टू ट्रीटाइजेज ऑन सिविल गवर्नमेंट

कूट:

(a) A B C
1 2 3

(b) A B C
1 3 2

(c) A B C
2 3 1

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (c)

सूची-I लेखक	सूची-I पुस्तक
हॉब्स	लेवियाथन (1651)
लॉक	टू ट्रीटाइजेज ऑन सिविल गवर्नमेंट (1690)
रूसों	द सोशल कॉन्ट्रैक्ट (1762)

2. ''स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे।'' यह नारा किसने दिया?

(a) गाँधी (b) तिलक
(c) गोखले (d) नेहरू

Ans : (b) ''स्वराज मेरा (हमारा) जन्मसिद्ध अधिकार है और हम इसे लेकर रहेंगे।'' यह नारा 'बाल गंगाधर तिलक' ने वर्ष 1916 ई. के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में दिया था। तिलक ने स्वराज्य को एक राजनीतिक आवश्यकता ही नहीं बताया अपितु नैतिक आधार पर इसका समर्थन किया। तिलक के अनुसार - राष्ट्र की प्रगति का मूल स्वराज्य में ही निहित है। स्वराज्य के अभाव में औद्योगिक प्रगति, राष्ट्रीय शिक्षा, सामाजिक सुधार आदि कुछ भी सम्भव नहीं है।

3. प्लेटो ने एक आदर्श राज्य की जनसंख्या निश्चित की है

(a) 1800 व्यक्ति (b) 5040 व्यक्ति
(c) 10000 व्यक्ति (d) 20000 व्यक्ति

Ans : (b) ''प्लेटो ने एक आदर्श राज्य की जनसंख्या 5040 व्यक्ति निश्चित की है''

• प्लेटों के दर्शन में 'पाइथागोरस' का बहुत ही ज्यादा प्रभाव पड़ा है। उसने गणित को उसके गुणनफल को इतना महत्व दिया है, जिसमें राज्य की जनसंख्या '5040' बताई जिसे $1 \times 2 \times 3 \times 4 \times 5 \times 6 \times 7 = 5040$ तो $7 \times 8 \times 9 \times 10 = 5040$ के गुणनफल को ध्यान में रखकर कहा कि इससे राज्य की जनसंख्या टुकड़ों में बॉटा जा सकता है जिसमें ये युद्ध और शान्ति में उपयोगी होगी।

4. किस राजनीतिक चिंतक ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि ''उसकी माँ ने जुड़वाँ बच्चों को जन्म दिया- स्वयं उसे तथा डर''?

(a) जीन जैक्स रूसो (b) थॉमस हॉब्स
(c) जॉन लॉक (d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (b) 'थॉमस हॉब्स' ने अपनी आत्मकथा में लिखा कि ''उसकी माँ ने जुड़वॉ बच्चों को जन्म दिया- स्वयं उसे तथा डर को'

हाब्स का जन्म 'इग्लैण्ड में माल्सवरी' (Malmesbury) नामक स्थान में '5 अप्रैल 1588' में हुआ जो इग्लैण्ड पर स्पेन के भीषण आक्रमण का भी वर्ष था। आर्मेडा के युद्ध ने इग्लैण्ड में सर्वत्र भय के वातावरण को उत्पन्न किया था भय से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक वातावरण में हॉब्स का जन्म हुआ था।

5. भारत के राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, यदि उपराष्ट्रपति उपलब्ध नहीं हैं, निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रपति की तरह कार्य कर सकता है?

(a) भारत के मुख्य न्यायाधीश (b) प्रधानमंत्री
(c) लोकसभाध्यक्ष (d) भारत के महान्यायवादी

Ans : (a) भारत के राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, यदि उपराष्ट्रपति उपलब्ध नहीं है, तो 'भारत का मुख्य न्यायाधीश' कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते है 'एम. हिदायतुल्लाह' भारत के एक मात्र ऐसे मुख्य न्यायाधीश है जिन्होने 20 जुलाई 1969 से 24 अगस्त 1969 तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था।

6. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 108 के अन्तर्गत लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक कौन आहूत करता है?

(a) भारत का राष्ट्रपति (b) लोकसभाध्यक्ष
(c) प्रधानमंत्री (d) राज्यसभा का सभापति

Ans : (a) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 108 के अन्तर्गत लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक को 'भारत का राष्ट्रपति' आहूत करता है।

• 'यदि किसी' साधारण विधेयक के सम्बन्ध में संसद के दोनों सदनों में कोई मतभेद उत्पन्न हो जाता है तो गत्यावरोध दूर करने के लिए 'राष्ट्रपति अनु. 108 के तहत दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन आहूत करता है। इस बैठक में साधारण बहुमत द्वारा विधेयक पारित किया जाता है।'

7. भारतीय संविधान का निम्नखित में से कौन-सा अनुच्छेद भारत के राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है?

(a) अनुच्छेद 74 (b) अनुच्छेद 78
(c) अनुच्छेद 123 (d) अनुच्छेद 124(2)

Ans : (c) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 123 के अन्तर्गत भारत के राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त है। इसे संसद के दोनों सदनों या किसी एक सदन के सत्र में न होने के दौरान जारी किया जा सकता हैं इसका प्रभाव संसद द्वारा निर्मित कानून के समान होता है। राष्ट्रपति किसी भी समय किसी अध्यादेश को वापस ले सकता है। अध्यादेश की अधिकतम अवधि संसदीय सत्र के प्रारम्भ होने पर छः सप्ताह है इसके पूर्व संसद का अनुमोदन आवश्यक है।

Adda247

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

80,000+
Mock Tests

Personalised
Report Card

Unlimited
Re-Attempt

600+
Exam Covered

20,000+ Previous
Year Papers

500%
Refund

IBPS

NABARD

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

8. निम्नलिखित में से किस समिति की सिफारिश पर मौलिक कर्तव्यों को भारतीय संविधान में जोड़ा गया?

(a) बलवन्त राय मेहता समिति (b) आय्यंगर समिति
(c) स्वर्ण सिंह समिति (d) ठक्कर समिति

Ans : (c) भारतीय संविधान में भाग IV-A के तहत अनु. 51-A जोड़कर इसके अन्तर्गत नागरिकों के मूल कर्तव्यों को 42 वें संविधान संशोधन 1976 द्वारा शामिल किया गया था जो कि 'सरदार स्वर्ण सिंह' समिति की संस्तुतियों पर आधारित था। इसमें कुल 10 मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया था वर्तमान में मूल कर्तव्यों की संख्या 11 है जिसको अनुच्छेद 51 क से ट के तहत, 86 वें संविधान संशोधन (2002) द्वारा जोड़ा गया है।

9. किस संविधान संशोधन द्वारा केन्द्रीय मंत्रियों की संख्या लोकसभा की कुल सदस्य संख्या के 15% पर सीमित कर दी गई है?

(a) 91वाँ (b) 92वाँ
(c) 93वाँ (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (a) 91वें संविधान संशोधन - 2003 द्वारा अनु. 75 में उपखण्ड (1क) जोड़कर यह प्रावधान किया गया है कि 'मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित सदस्यों की कुल संख्या लोकसभा के कुल सदस्य संख्या का 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।' इस प्रकार वर्तमान में केन्द्रीय मंत्रीपरिषद में अधिकतम 82 मंत्री हो सकते हैं।

10. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन के लिए प्रावधान है?

(a) अनुच्छेद 320 (b) अनुच्छेद 322
(c) अनुच्छेद 324 (d) अनुच्छेद 326

Ans : (c) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत निर्वाचन आयोग का प्रावधान किया गया है। भारत का निर्वाचन आयोग एक स्थायी संवैधानिक निकाय है। इसकी स्थापना 25 जनवरी 1950 को की गयी थी। वह संसद, राज्य विधानमंडलों, राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति पदों के निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण के लिए निर्वाचन आयोग का प्रावधान किया गया है।

11. दक्षिण अफ्रीका में महात्मा गाँधी के आश्रम का नाम है?

(a) फीनिक्स (b) साबरमती
(c) सत्याग्रह (d) सर्वोदय

Ans : (a) दक्षिण अफ्रिका में महात्मा गाँधी के आश्रम का नाम 'फीनिक्स' है। दक्षिण अफ्रिका में 1904 में गाँधी ने सेठ पारसी रूस्तम जी के सहयोग से डरबन के समीप 'फिनिक्स' नामक स्थान पर 100 एकड़ जमीन खरीद कर 'फिनिक्स फार्म' की स्थापना कि।

12. निम्नलिखित में से किस सदन की अध्यक्षता ऐसा करता है जो उस सदन का सदस्य नहीं होता?

(a) लोक सभा (b) विधान सभा
(c) राज्य सभा (d) विधान परिषद्

Ans : (c) उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है किन्तु राज्यसभा का सदस्य नहीं होता है। भारत का उपराष्ट्रपति U.S.A की भाँति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है (अनुच्छेद 89)।

13. भारत में वित्तीय आपातकाल कितनी बार लगाया है?

(a) तीन बार (b) दो बार
(c) एक बार (d) कभी नहीं

Ans : (d) 'अनुच्छेद 360' 'वित्तीय आपातकाल' से सम्बन्धित उपबंध है। इस अनुच्छेद का उपयोग अभी तक नहीं किया गया है। अनु. 360 के तहत राष्ट्रपति वित्तीय आपात की उद्घोषणा कर सकता है, यदि उसका यह समाधान हो जाए कि ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गयी है, जिससे कि भारत या उसके किसी भाग का वित्तीय स्थायित्व अथवा साख (financial stability or credit) संकट में है। तो वह वित्तीय आपात की उद्घोषणा कर सकता है।

14. स्पीकर निर्णायक मत का प्रयोग कब कर सकता है?

(a) महाभियोग प्रस्ताव पर
(b) अनुच्छेद 368 से संबंधित विधेयक पर
(c) अनुच्छेद 52 से संबंधित विधेयक पर
(d) समान मत आने पर

Ans : (d) अनु. 100 (1) के तहत लोक सभा अध्यक्ष (स्पीकर) अपने निर्णायक मत (casting vote) का प्रयोग तब करते है, जब किसी विषय के सन्दर्भ में हुए मतदान में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष दोनों के वोट समान होने के कारण 'टाई (Tie) की स्थिति हो। अनुच्छेद 96 के तहत जब अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन है तब वह उपस्थिति रहने पर भी पीठासीन नहीं होगा। लेकिन उसे लोकसभा की कार्यवाहियों में भाग लेने का अधिकार होगा। वह प्रथमतः मत देने का हकदार होगा किंतु मत बराबर होने की दशा में निर्णायक मत देने का हकदार नहीं होगा।

15. भारतीय संविधान का कौन-सा भाग 'नागरिकता' संबंधित है?

(a) भाग II (b) भाग III
(c) भाग IV (d) भाग V

Ans : (a) भारतीय संविधान 'भाग-2, अनुच्छेद 5 से 11 तक' नागरिकता के बारे में प्रावधान है। भारत में ब्रिटेन के समान एकल नागरिकता का प्रावधान किया गया है। अनु. 11 में संसद को नागरिकता के सम्बन्ध में विधि बनाने की शक्ति दी गयी है जिसके तहत संसद द्वारा भारतीय नागरिकता अधिनियम 1955 परित किया गया है।

16. भारत का संविधान भारत को निम्नलिखित में से क्या घोषित करता है?

(a) एक स्वैच्छिक संघ
(b) एक परिसंघ
(c) राज्यों का एक यूनियन (समूह)
(d) एक संघ

Ans : (c) संविधान के, अनुच्छेद 1 में निर्धारित किया गया है कि भारत अर्थात इंडिया 'राज्यों का एक यूनियन (समूह) होगा'। भारत के राज्य क्षेत्र में 1-राज्यों के राज्य क्षेत्र, 2-संघ राज्य क्षेत्र और 3-ऐसे अन्य राज्य क्षेत्र जो अर्जित किए जाए, समाविष्ट होगे। राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के नाम तथा प्रत्येक के अन्तर्गत आने वाले राज्य क्षेत्रों का वर्णन संविधान की प्रथम अनुसूची में किया गया है।

17. भारत का संविधान निम्नलिखित में से किसको अवशिष्ट शक्तियाँ देता है?

(a) राज्यों को
(b) केन्द्र को
(c) केन्द्र तथा राज्य दोनों को
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) संघात्मक शासन प्रणाली अपनाने के कारण भारतीय संविधान में शक्तियों का विभाजन संघ, राज्य और समवर्ती सूचियों में किया गया है किन्तु भारतीय संविधान के अनुच्छेद 248 के अन्तर्गत अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र सरकार को प्रदान की गई है। जिसका उल्लेख संघ सूची में है। संसद को किसी ऐसे विषय के संबंध में जो समवर्ती सूची या राज्य सूची में प्रगणित नहीं है। विधि बनाने की अनन्य शक्ति है।

Adda247 GET IT ON Google Play

18. संविधान की प्रारूप समिति का अध्यक्ष कौन था?

(a) एन.जी. आय्यंगर (b) के.एम. मुंशी
(c) डी.पी. खेतान (d) बी.आर.अम्बेडकर

Ans : (d) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष 'वी.आर.अम्बेडकर' थे। प्रारूप समिति में अध्यक्ष भीमराव अम्बेडकर समेत कुल 7 सदस्य थे। जिनमें एन गोपालस्वामी आयंगर, के.एम.मुंशी, अल्लादी कृष्ण स्वामी अय्यर, सैयद मो. सादुल्ला, वी.एल.मित्र (थोड़े समय बाद हट गये और उनके स्थान पर 'माधव राव' सदस्य बने) डी.पी. खेतान (इनकी आकस्मिक मृत्यु होने के कारण ही. कृष्णमाचारी को सदस्य बनाया गया।)

19. भारत की संविधान निर्मात्री सभा का कानूनी सलाहकार कौन था?

(a) एच.एन.कुंजरू (b) बी.एन.राव
(c) सच्चिदानन्द सिन्हा (d) बी.आर.अम्बेडकर

Ans : (b) भारतीय संविधान निर्मात्री सभा का (कानूनी) संवैधानिक सलाहकार 'बी.एन.राव' को चुना गया। संवैधानिक सलाहकार बी.एन. राव ने अक्टूबर 1947 में संविधान का प्रथम प्रारूप तैयार किया। जिसमें कुल 243 अनुच्छेद और 13 अनुसुचिया थी।

20. गोपाल कृष्ण गोखले किस वर्ष अखिल - भारतीय काँग्रेस समिति के अध्यक्ष बने थे?

(a) 1897 (b) 1905
(c) 1907 (d) 1912

Ans : (b) गोपाल कृष्ण गोखले 1905 में बनारस कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बने, कांग्रेस के सभापति के हैसियत से उन्होंने बहिष्कार का समर्थन किया, किन्तु कहा कि इसका समर्थन तभी करना चाहिए जब कोई दूसरा विकल्प न हो।

- वर्ष 1905 में ही गोखले ने परोपकारी संगठन 'सर्वेन्ट ऑफ इंडिया सोसायटी' की स्थापना की।
- गोखले एक व्यावहारिक आदर्शवादी और राजनीति के क्षेत्र में सच्चे उदारवादी थे।
- **लार्ड मार्ले ने** गोखले का मूल्यांकन करते हुए कहा है कि "उनका मस्तिष्क एक राजनीतिज्ञ का मस्तिष्क था और उनमें शासन के उत्तरदायित्व की भावना व्याप्त थी।"

21. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

	मौकि अधिकार		अनुच्छेद
(a)	समानता का अधिकार	:	14-18
(b)	धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार	:	23-24
(c)	संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार	:	29-30
(d)	स्वतन्त्रता का अधिकार	:	19-22

Ans : (b) भारतीय संविधान में समानता का अधिकार अनु 14 - 18 तक, स्वतन्त्रता का अधिकार अनु. 19 - 22 तक, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार अनु. 25 - 28 तक और संस्कृति तथा शिक्षा सम्बन्धि अधिकार अनु. 29 - 30 तक में प्रदान किया गया है।

22. एक अन्तर्राज्यीय परिषद् की स्थापना की जा सकती है

(a) राष्ट्रपति द्वारा (b) संसद द्वारा
(c) राष्ट्रीय विकास परिषद् द्वारा
(d) क्षेत्रीय परिषद् द्वारा

Ans : (a) एक अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना 'राष्ट्रपति' द्वारा की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 में यह प्रावधान है कि यदि राष्ट्रपति को ऐसा प्रतीत होता है कि अन्तर्राज्य परिषद की स्थापना से लोकहित की सिद्धि होगी तो वह एक आदेश द्वारा ऐसी परिषद की स्थापना कर सकेगा।

23. भारतीय संविधान में कितनी अनुसूचियाँ हैं?

(a) 9 (b) 10
(c) 11 (d) 12

Ans : (d) भारतीय संविधान में कुल 12 अनुसूचियाँ है। मूलतः संविधान में 8 अनुसूचियाँ थीं। कालांतर में संविधान द्वारा नौवीं अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम 1951, दसवी अनुसूची 52वें संविधान संशोधन अधिनियम 1985 ग्यारहवी अनुसूची 73वें संविधान संशोधन 1992 एवं 12 वीं अनुसूची 74वें संविधान संशोधन अधिनियम 1992 द्वारा जोड़ा गया है।

24. पंचायती राज से संबंधित निम्नलिखित समितियों पर विचार कीजिए तथा उन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए:

(1) अशोक मेहता समिति
(2) बलवंत राय मेहता समिति
(3) एल.एम. सिंघवी समिति
(4) थुंगन समिति

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर चुनिए।

(a) 1,2,3,4 (b) 2,1,3,4
(c) 3,2,1,4 (d) 4,3,2,1

Ans : (b) (2) बलवन्त राय मेहता समिति - 1957
(1) अशोक मेहता समिति - 1977
(3) डॉ. एल.एम. सिंघवी समिति - 1986
(4) पी. के. थुंगन समिति - 1988

25. पंचायत चुनाव कराने हेतु निर्णय किसके द्वारा लिया जाता है?

(a) केन्द्र सरकार (b) राज्य सरकार
(c) चुनाव आयोग (d) जिला न्यायाधीश

Ans : (b) पंचायत चुनाव का निर्णय 'राज्य सरकार' द्वारा किया जाता है ज्ञातव्य है कि पंचायतों के निर्वाचन के सम्बन्ध में सभी विषयों पर विधि बनाने का अधिकार राज्य विधान मण्डल को है। भारत निर्वाचन आयोग की भाँति ही राज्य निर्वाचन आयोग भी एक स्वतन्त्र संवैधानिक निकाय है।

26. 'लूट पद्धति' निम्नलिखित में से किसका दूसरा नाम है?

(a) अभिभावक नौकरशाही
(b) जातीय नौकरशाही
(c) संरक्षक नौकरशाही
(d) योग्यता-आधारित नौकरशाही

Ans : (c) 'संरक्षक नौकरशाही' का दूसरा नाम 'लूट-पद्धति' है इस प्रकार की नौकरशाही में लोकसेवको की नियुक्ति उनकी योग्यता तथा प्रतियोगिता के आधार पर न होकर नियोक्ता और लोक सेवकों के पद के अभ्यार्थियों के राजनीतिक सम्बन्धों के आधार पर होती है इस प्रकार की पद्धति अमेरिका में विशेष रूप से वर्ष 1829 से 1883 तक प्रचलित थी।

27. 1985 में, भारतीय प्रधानमंत्री ने एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए किस संगठन की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया?

(a) दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन
(b) दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन
(c) बंगाल की खाड़ी का आर्थिक सहयोग संघ
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (a) 1985 में, भारतीय प्रधानमंत्री ने एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए 'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन' (SAARC) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। 'दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन' दक्षिण एशिया के 8 देशों का क्षेत्रीय सहयोग संगठन है। इसकी स्थापना 8 दिसम्बर , 1985 को हुई। इसके संस्थापक सदस्य में भारत,

Adda247 GET IT ON Google Play

पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान शामिल है अप्रैल 2007 में 14वें शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान आठवां सदस्य बना इसका मुख्यालय काठमांडू (नेपाल) में है।

28. इनमें से कौन निर्गुट आंदोलन का संस्थापक नेता नहीं है?

(a) पं. नेहरू (b) कर्नल नासिर
(c) मार्शल टीटो (d) कर्नल गद्दाफी

Ans : (d) लीबिया के शासक कर्नल गद्दाफी निर्गुट आदोलन के संस्थापक नेता नही थे। भारतीय प्रधानमंत्री पं. नेहरू, मिश्र के शासक कर्नल नासिर, और योगोस्लाविया के राष्ट्रपति मार्शल टीटो के प्रयासों से गुटनिपेक्ष आदोलन की नींव रखी गयी। उनके अतिरिक्त घाना के राष्ट्रपति एन्क्रूमा और इन्डोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो को भी इस आन्दोलन के संस्थापक सदस्यों में माना जाता है। वर्ष 1961 में बेलग्रेड में हुए प्रथम शिखर सम्मेलन में इन सभी सदस्यों ने भाग लिया था।

29. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों से संबंधित है?

(a) अनुच्छेद 50 (b) अनुच्छेद 51
(c) अनुच्छेद 52 (d) अनुच्छेद 53

Ans : (b) भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 51' अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा तथा भारत की विदेश नीति' सम्बन्धित निदेशक तत्व के बारे में है। इसके अन्तर्गत राज्य अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अधोलिखित आदर्शों को प्राप्त करने के लिए कार्य करेगा यथा-

1. अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा में वृद्धि
2. राष्ट्रों के बीच न्याय और सम्मानपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखने
3. राष्ट्रों के आपसी व्यवहार में अन्तर्राष्ट्रीय कानून और सन्धियों के प्रति आदर का भाव बढ़ाने तथा
4. अन्तर्राष्ट्रीय झगड़ो को मध्यस्थता द्वारा सुलझाने को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयास करेगा।

30. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय विदेश नीति में पंचशील का सिद्धान्त नहीं है।

(a) अनाक्रमण (b) अहस्तक्षेप
(c) शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व (d) यथार्थावाद

Ans : (d) 29 अप्रैल 1954 को बीजिंग में चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई और भारतीय प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के मध्य शांति और मैत्रीपूर्ण संबंधों के लिए 'पंचशील समझौते' पर हस्ताक्षर किया गया, जो कि निम्न पांच सिद्धांतों पर आधारित थे-

⇒ एक दूसरे की अखंडता और संप्रभुता का सम्मान
⇒ परस्पर अनाक्रमण
⇒ आंतरिक मामलों में अहस्तक्षेप
⇒ समान और पारस्परिक लाभ पर आधारित संबंध
⇒ शांतिपूर्ण सह-आस्तित्व

उल्लेखनीय है कि इस समझौते में यथार्थवाद शामिल नहीं है।

31. 'उदारवाद का जनक' किसे कहा जाता है?

(a) टी. एच. ग्रीन (b) हेगेल
(c) कार्ल मार्क्स (d) जॉन लॉक

Ans : (d) जॉन लॉक को व्यक्तिवाद और उदारवाद का जनक कहा जाता है। क्योंकि वह -

- मानव विवेक में आस्था रखता है।
- मानव को तीन प्राकृतिक अधिकार (जीवन, स्वतन्त्रता और सम्पत्ति) भी सौंपता है।
- मानव को सदगुणी प्राणी मानता है।

उदारवाद व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर आधारित विचारधारा है। उदारवाद "व्यक्ति को साध्य और राज्य को साधन मानता है।"

32. "स्वतन्त्रता अति-शासन का विरोधी है।" यह किसने कहा?

(a) लास्की (b) लॉक
(c) सीले (d) जे. एस. मिल

Ans : (c) सीले के अनुसार "स्वतन्त्रता अति शासन का विरोधी है।"

- **सीले कहता है**- "स्वतन्त्रता समस्त प्रतिबन्धों का अभाव है।"
- लास्की द्वारा कहा गया कि "स्वतन्त्रता उस वातावरण को बनाये रखना है जिससे व्यक्ति को अपने जीवन का सर्वोत्तम विकास करने की सुविधा प्राप्त हो"
- **जॉन लॉक के द्वारा** "जहाँ कानून नहीं वहाँ स्वतन्त्रता नहीं है।
- **जे.एस.मिल के द्वारा** " स्वतन्त्रता को देवदूत कहा है क्योंकि इसके द्वारा पागल एवं सनकी व्यक्तियों को भी विचार अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता को देने का समर्थन किया गया है।

33. सम्प्रभुता की अवधारणा निम्नलिखित में से मुख्यतः क्या है?

(a) राजनीति (b) वैधानिक
(c) दार्शनिक (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans : (b) सम्प्रभुता की अवधारणा मुख्यतः वैधानिक सम्प्रभुता है। वैधानिक सम्प्रभुता उस सत्ता को कहा जाता है जिसको राज्य के लिए विधि निर्माण करने का सर्वोच्च अधिकार होता है और उसके आदेश विधि के समान मान्य होते है। वर्तमान समय में इग्लैण्ड की संसद वैधानिक सम्प्रभुता का सर्वोत्तम उदाहरण है। इस अवधारणा के प्रमुख समर्थक हॉब्स, बेंथम और आस्टिन है।

34. निम्नलिखित में से कौन-सी सम्प्रभुत्ता की विशेषता(एँ) है/हैं?

(1) स्थायित्व (2) सार्वभौमिकता

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 तथा 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

Ans : (c) सम्प्रभुता के कानूनी सिद्धान्त के अन्तर्गत सम्प्रभुता की निम्न विशेषताएँ निर्धारित की गयी है 1. पूर्णता (Absoluteness) 2. सार्वभौमिकता (Universality) 3. आदेयता (Inalienability) 4. स्थायित्व (Permance) 5. अविभाज्यता (Indivisibility)

सार्वभौमिकता- राज्य के अन्दर सब कुछ सम्प्रभु के अधीन होता है।

स्थायित्व - सम्प्रभुता स्थायित्व होता है यह गुण सम्प्रभुता से अलग कर पाना संभव नहीं है।

35. निम्नलिखित में से कौन-सी संसदात्मक शासन की विशेषता नहीं है?

(a) नाममात्र का अध्यक्ष
(b) कार्यपालिका का निश्चित कार्यकाल
(c) व्यवस्थापिका एवं कार्यपालिका के बीच घनिष्ठ संबंध
(d) सामूहिक उत्तरदायित्व

Ans : (b) संसदात्मक शासन की मुख्य विशेषताएँ है **नाममात्र का अध्यक्ष-** राज्य का प्रधान नाममात्र की कार्यपालिका होती है जबकि वास्तविक कार्यपालिका मंत्रिपरिषद होती है।

व्यवस्थापिका व कार्यपालिका में घनिष्ठ सम्बन्ध - कार्यपालिका अपनी नीतियों व कार्यों के लिये व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायी होती है। जहाँ व्यवस्थापिका अविश्वास का प्रस्ताव पास कर कार्यपालिका को उसके पद से हटा सकती है, वही दूसरी ओर, कार्यपालिका यदि यह सोचती है

Adda247 GET IT ON Google Play

कि व्यवस्थापिका जनता के हितों का सही रूप से प्रतिनिधित्व कर रही है तो वह कार्यपालिका के औपचारिक प्रधान को व्यवस्थापिका के विघटन का परामर्श दे सकती है।

सामूहिक उत्तरदायित्व - सभी मंत्री सामूहिक रूप से व्यवस्थापिका के प्रति उत्तरदायित्व रहते है।

कार्यपालिका का अनिश्चित कार्यकाल-इस व्यवस्था के अन्तर्गत मंत्रिपरिषद का कार्यकाल निश्चित नहीं होता है। कार्यपालिका उसी समय तक अपने पद पर बनी रह सकती है जब तक कि उसे व्यवस्थापिका का विश्वास प्राप्त रहता है।

36. फासीवाद के संबंध में सही युग्म की पहचान कीजिए।

(a) इटली-मुसोलिनी (b) जर्मनी-मुसोलिनी
(c) इटली-हिटलर (d) जर्मनी-हिटलर

Ans : (a) फासीवाद के संबंध में सही युग्म 'इटली-मुसोलनी' है। फासीवाद का जन्म प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इटली में हुआ जब मुसोलिनी के नेतृत्व में 23 मार्च 1919 को मिलान में पहले फॉसीवादी आन्दोलन का प्रारम्भ हुआ। 1922 में फांसीवादी दल ने इटली का शासन सत्ता हस्तगत कर लिया।

37. इन विचारकों में से कौन प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धान्त से संबंधित है?

(a) लॉक (b) बेन्थम
(c) ग्रीन (d) मार्क्स

Ans : (a) प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धान्त से सम्बन्धित जॉन लॉक है। लॉक ने जीवन, स्वतन्त्रता तथा सम्पत्ति के अधिकार को प्राकृतिक अधिकार माना है।

बेंथम के द्वारा ''अधिकार कानूनों तथा केवल कानूनों का फल है। बगैर कानून के कोई अधिकार नहीं, कानून के खिलाफ कोई अधिकार नहीं तथा कानूनों से पहले कोई अधिकार नहीं है।''

38. इनमें से कौन वैज्ञानिक समाजवाद का प्रतिपादक है?

(a) जे. एसस. मिल (b) कार्ल मार्क्स
(c) लास्की (d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (b) वैज्ञानिक समाजवाद का प्रतिपादक 'कार्ल मार्क्स' है। सर्वहारा समाजवाद या वैज्ञानिक समाजवाद के नाम से ज्ञात मार्क्सवादी समाजवाद को मार्क्स इसलिए वैज्ञानिक कहता है कि यह इतिहास के अध्ययन पर अधारित है उसके पहले साइमन फोरियर, तथा राबर्ट ओवेन का समाजवाद वैज्ञानिक इसलिए नहीं था क्योंकि वह इतिहास पर अधारित न होकर केवल कल्पना पर अधारित था।

मार्क्स के शब्दों में - वैज्ञानिक समाजवाद के प्रतिपादन में कहा गया था कि ''विचारधारा मिथ्या चेतना है।''

39. ''कानून उच्च द्वारा निम्न को दिया गया आदेश है।'' यह किसने कहा?

(a) बोडिन (b) हॉब्स
(c) ऑस्टिन (d) बेन्थम

Ans : (c) ''कानून उच्च द्वारा निम्न को दिया गया आदेश है'' यह कथन 'जॉन आस्टिन' का है। कानूनी सम्प्रभुता वह सम्प्रभुता है जिसे कानून का निर्माण करने का सर्वोच्च अधिकार होता है। कानूनी सम्प्रभुता के श्रेष्ठतम विचारक 'जॉन आस्टिन' है। हाब्स, बेन्थम, बोंदा और विलोबी के द्वारा भी इसका प्रतिपादन किया गया है।

40. ''राजनीतिक स्वतन्त्रता, आर्थिक समानता के बिना एक कल्पना है।''यह किसने कहा?

(a) जे. एस. मिल (b) टी. एच. ग्रीन
(c) लास्की (d) जी.डी.एच.कोल

Ans : (d) जी. डी. एच. कोल के द्वारा कहा गया है कि ''राजनीतिक स्वतन्त्रता, आर्थिक समानता के बिना एक कल्पना है।'' दूसरे शब्दों में ''आर्थिक समानता के अभाव में राजनीतिक स्वतन्त्रता केवल एक भ्रम है।'' राजनीतिक स्वतन्त्रता के आधार के रूप में आर्थिक समानता कार्य करती है, एक व्यक्ति सार्वजनिक क्षेत्र के प्रति तभी रूचि ले सकता है जब उसके पास अपनी अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करने के पर्याप्त साधन उपलब्ध हों।

41. राज्य की उत्पत्ति का सबसे प्राचीन सिद्धान्त कौन-सा है?

(a) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त
(b) शक्ति सिद्धान्त
(c) सामाजिक समझौता सिद्धान्त
(d) विकासवादी सिद्धानतृ

Ans : (a) राज्य की उत्पत्ति का सबसे प्राचीन सिद्धान्त ''दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त है।'' इसके प्रति यह धारणा उत्पन्न हुई कि ''राज्य ईश्वर द्वारा स्थापित एक दैवीय संस्था हैं तथा राजा ईश्वर का प्रतिनिधि'' होने के कारण केवल ईश्वर के प्रति ही उत्तरदायी है। प्रजा का कर्तव्य अथवा धर्म है कि राजा की आज्ञाओं का हृदय से पालन करे और उसका विरोध न करें। इस सिद्धान्त के प्रमुख समर्थक - मनु, जेम्स प्रथम, हीगल, होमर आदि है।

42. किसी राज्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व कौन-सा है?

(a) जनसंख्या (b) भूभाग
(c) सरकार (d) सम्प्रभुता

Ans : (d) राज्य के चार आवश्यक तत्व है। जनसंख्या, भू-भाग, सरकार, सम्प्रभुता। राज्य के चारों तत्वों में सम्प्रभुता सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। अर्थात सम्प्रभुता को राज्य की आत्मा कहा जाता है। सम्प्रभुता राज्य को अन्य समुदायों से अलग करता है क्योंकि अन्य समुदायों के पास भी जनसंख्या, भू-भाग, और सरकार होती है किन्तु सम्प्रभुता का अभाव होता है।

43. 'राजनीति विज्ञान का संबंध राज्य तथा उसके साधन-सरकार से है।'' यह किसने कहा?

(a) गार्नर (b) डिमॉक
(c) गिलक्राइस्ट (d) सीले

Ans : (b) अमेरिकी राजनीतिक विचारक मार्शल एडवर्ड डिमॉक मूलतः प्रशासनिक चिंतक हैं। राजनीति विज्ञान के विषय में इनका विचार है कि इसका संबंध राज्य और उसके साधन सरकार से है। इनकी प्रमुख रचनाएं हैं- स्टडी ऑफ एडमिनिस्ट्रेसन, ए थियरी ऑफ ऑर्गनाईजेसन इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेसन आदि।

44. निम्नलिखित में से कौन-सा दण्ड का एक सिद्धान्त नहीं है?

(a) प्रतिशोधात्मक (b) प्रतिरोधात्मक
(c) वितरणात्मक (d) सुधारात्मक

Ans : (c) 'वितरणात्मक ' दण्ड का सिद्धान्त नहीं है।

- **प्रतिशोधात्मक सिद्धान्त** - प्रतिशोधात्मक का अर्थ होता है बदला लेना। इस सिद्धान्त का आधार जैसे को तैसा, **'आंख के लिए आंख और दांत के लिए दांत**
- **प्रतिरोधात्मक सिद्धान्त**- प्रतिरोधात्मक का अर्थ होता है कि दूसरे व्यक्ति अपराधी की दुर्दशा देखकर डरे और अपराध ना करे।
- **सुधारात्मक सिद्धान्त**- यह अपराधियों के चरित्र में सुधार करता है जैसे ''अपराधी एक मानसिक दोषी है और अपराधी को सुधारने के लिए दण्ड की नहीं वरन सहानुभुति की आवश्यकता होती है।''
- **वितरणात्मक सिद्धान्त** - यह सिद्धान्त न्याय की धारणा से जुड़ा है।

Adda247 GET IT ON Google Play

45. इनमें से किसने बहुलवाद का समर्थन नहीं किया है?

(a) वेब (b) लिंडसे
(c) क्रैबे (d) हेगेल

Ans : (d) वेब, लिंडसे, क्रैबे ये सब बहुलवादी सम्प्रभुत्ता के विचारक है जबकि हेगेल एकलवादी सम्प्रभुता का विचारक है।

- हेगेल के द्वारा निरंकुश राज्य की अवधारणा का प्रतिपादन किया गया था और उन्होंने कहा था कि ''राज्य धरती पर ईश्वर का अवतरण है''
- बहुलवादियों ने कहा कि हिगेल का यह मत सत्ता का केन्द्रीय करण और राज्य के निरंकुशता का समर्थन करता है।

46. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

अधिकारों के सिद्धान्त		विचार/मत
(a) प्राकृतिक अधिकारों का सिद्धान्त	:	अधिकार पूर्व - नागर और पूर्व-सामाजिक हैं।
(b) अधिकारों का वैधानिक सिद्धान्त	:	अधिकार राज्य की कृति हैं
(c) अधिकारों का ऐतिहासिक सिद्धान्त	:	अधिकार परम्पराओं की उपज हैं।
(d) अधिकारों का यथार्थवादी सिद्धान्त	:	अधिकार मनुष्य की शक्तियाँ हैं

Ans : (d) अधिकारों का यर्थावादी सिद्धान्त वस्तुतः अधिकारों का आधिकारिक सिद्धांत नहीं है। यथार्थवाद मूलतः व्यक्ति, राज्य, समुदाय और संस्थाओ की प्रकृति एवं सत्ता के वास्तविक स्वरूप को उद्घाटित करता है, न कि अधिकारों के स्वरूप की। अतः उपर्युक्त प्रश्न का विकल्प (d) सुमेलित नहीं है।

47. निम्नलिखित में से कौन-सी राजनीतिक दल की विशेषता नहीं है?

(a) संगठन
(b) अवैधानिक साधनों का प्रयोग
(c) लोकतन्त्र में विश्वास
(d) वैचारिक एकता

Ans : (b) अवैधानिक साधनों का प्रयोग राजनीतिक दल की विशेषता नहीं है।
राजनीतिक दलों की निम्न विशेषताए होती है।

- संगठन
- लोकतन्त्र में विश्वास
- वैचारिक एकता
- शासन पर प्रभुत्व की इच्छा (सत्ता प्राप्त करने की इच्छा)
- राजनीतिक दलों द्वारा केवल संवैधानिक साधनों को ही अपना कर शासन शक्ति पर प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयत्न किया जाता है और जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय हित में वृद्धि होती है।

48. इनमें से किसने दबाव गुटों को 'एक अज्ञात साम्राज्य' की संज्ञा दी है?

(a) फाइनर (b) कासल्स
(c) रोडी (d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (a) दबाव समूह को 'फाइनर' ने ''एक अज्ञात साम्राज्य'' की संज्ञा दी है वह इसे तृतीय सदन भी कहता है।

- **रोडी के द्वारा कहा गया-** ''यह गैर सरकारी संचार सूत्र है''
- **प्रो. भरत गोपाल गुप्ता के अनुसार -** दबाव समूह वास्तव में एक ऐसा माध्यम है जिनके द्वारा सामान्य हित वाले व्यक्ति सार्वजनिक मामलों को प्रभावित करने का प्रयत्न करते है।

49. 'राज्य का वर्ग सिद्धान्त' किसने प्रतिपादित किया?

(a) मार्क्स (b) एन्जेल्स
(c) लेनिन (d) इनमें से सभी

Ans: (a) ''राज्य का वर्ग संघर्ष'' का प्रतिपादन 'कार्ल मार्क्स' ने किया है।

- राज्य की उत्पत्ति का मार्क्सवादी सिद्धान्त वर्ग संघर्ष की अवधारणा पर केन्द्रित है।
- कार्ल मार्क्स के अनुसार वर्ग की उत्पत्ति सम्पत्ति के कारण हुई है। क्योंकि सम्पत्ति के कारण समाज में परस्पर दो विरोधी वर्ग का उदय हुआ ।
- जिसके पास सम्पत्ति थी वह बुर्जुआ वर्ग कहलाया और जिसके पास सम्पत्ति नहीं था वह सर्वहारा वर्ग कहलाया।
- दोनों वर्गो के विरोधी हितों के कारण वर्ग संघर्ष की परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई।

50. प्राकृतिक अवस्था वाले मनुष्य को 'आदर्श बर्बर' की संज्ञा किसने दी?

(a) थॉमस हॉब्स (b) जॉन लॉक
(c) रूसो (d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (c) प्राकृतिक अवस्था वाले मनुष्य को ''आदर्श बर्बर'' की संज्ञा रूसो ने दी है। प्राकृतिक अवस्था में रूसो का मनुष्य भला असभ्य जीव (आदर्श बर्बर) था वह आनंदमय जीवन जीता था वह स्वाधीन संतुष्ट और आत्मनिर्भर होता था। अतः प्राकृतिक दशा में मनुष्य उदात्त वन्य प्राणी (Noble Savage) होता है। किन्तु व्यक्तिगत संपत्ति के उद्भव ने स्वार्थ लोलुपता को बढ़ाया फलतः प्राकृतिक अवस्था की शांति, अशांति में बदल गई, जिसे रोकने के लिए राज्यरूपी संस्था का उदय हुआ।

51. निम्नलिखित में से अरस्तू की प्रसिद्ध पुस्तक कौन-सी है?

(a) द रिपब्लिक
(b) द सोशल कॉन्ट्रैक्ट
(c) लॉज
(d) पॉलिटिक्स

Ans : (d) अरस्तू की प्रसिद्ध पुस्तक 'पॉलिटिक्स' है। जो कि आज एक अपूर्ण कृति के रूप में उपलब्ध है यह प्राचीन राजनीतिक दर्शन का अधिक यथार्थवादी वर्णन है जिसमें शासन के लक्ष्य के स्थान पर शासन की कला का उल्लेख किया गया है।

- अरस्तु को राजनीतिक विज्ञान के साथ-साथ जीव विज्ञान का भी पिता कहा जाता है।
- 'द रिपब्लिक' तथा 'लाज' प्लेटो की कृति है।
- 'द सोशल कान्ट्रैक्ट' रूसो ने लिखा है।

52. मनुस्मृति में कितने अध्याय हैं?

(a) 10 (b) 11
(c) 12 (d) 21

Ans : (c) 'मनुस्मृति' में '12 अध्याय' है तथा 2,694 श्लोक है।

- मनुस्मृति की विषय वस्तु अधिक व्यापक है। मूल रूप से यह राजनीतिक प्रकृति का ग्रन्थ नहीं है, वरन् यह समाजिक जीवन और व्यवस्था से सम्बन्धित सभी विषयों की विवेचना तथा उनके लिए अचार-संहिता प्रस्तुत करता है।
- मनुस्मृति में वर्णव्यवस्था तथा आश्रम व्यवस्था (ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ तथा सन्यास) का समर्थन किया गया है।

53. दास कैपिटल इनमें से किस विचारक का ग्रन्थ है?

(a) हेगेल (b) मार्क्स
(c) लेनिन (d) इनमें से कोई नहीं

Adda247 GET IT ON Google Play

Ans : (b) कार्ल मार्क्स के द्वारा महत्वपूर्ण पुस्तक 'दास कैपिटल' (1867) को लिखा गया। इस पुस्तक को मार्क्सवाद की बाइबिल कहते है। यह रचना पूंजीपतियों द्वारा उनकी शोषणकारी नीतियों की आलोचना पर अधारित है।

- कार्ल मार्क्स के विचार यथार्थवाद पर केन्द्रित है। मार्क्सवादी विचार दर्शन को मजदूरवादी दर्शन कहते है इसलिए कार्ल मार्क्स ने कहा है कि "दुनिया के मजदूरो एक हो जाओ पाने के लिए संसार और खोने के लिए केवल जंजीरे मात्र है।"

54. 'पैन ऑप्टिकन' निम्नलिखित में से किसका आदर्श उदाहरण है?

(a) जेल
(b) शिक्षा व्यवस्था
(c) कानून व्यवस्था
(d) रसोइ

Ans : (a) 'पैन आप्टिकन' का आदर्श उदाहरण 'जेल' है 'पैनआप्टिक' शब्द दो घटको से मिल कर बना है पन और आप्टिकन। पन का मतलब है कैदी और आप्टिकन का मतलब है कैदियों पर नजर रखने वाला निगरानीकर्ता। एक ऐसी जगह जहाँ कैदीयों पर निगाह रखी जाती हो, जेल ही है। कैदियों को सुधारने के संबंध में जेरमी बेंथम द्वारा 'पैन ऑप्टिकन' का समर्थन किया गया था।

55. निम्नलिखित में से किस पुस्तक के लेखक बाल गंगाधर तिलक हैं?

(a) द आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज
(b) गीता रहस्य
(c) द ओरियन
(d) उपर्युक्त सभी

Ans : (d) बाल गंगाधर तिलक न केवल आन्दोलन कारी थे, अपितु प्रकाण्ड पण्डित तथा मराठी साहित्य की विभूति के रूप में भी उनकी कृति अमर है। बाल गंगाधर की पुस्तके इस प्रकार है-

1. द ओरियन	(1893)
2. द आर्कटिक होम इन द वेदाज	(1903)
3. गीता रहस्य	(1915)

'गीता रहस्य' तिलक की सबसे अधिक महत्वपूर्ण कृति है। यह ग्रन्थ शंकराचार्य के बाद सबसे सुन्दर तर्कपूर्ण गीता का भाष्य है।

56. प्लेटो की रिपब्लिक का उपशीर्षक क्या है?

(a) न्याय से संबंधित
(b) शिक्षा पद्धति से संबंधित
(c) राजनीति से संबंधित
(d) सोफिस्ट वर्ग से संबंधित

Ans : (a) प्लेटो ने अपनी पुस्तक 'रिपब्लिक' में 'न्याय से सम्बन्धित' अवधारणा दी है प्लेटो ने न्याय की स्थापना के लिए दो आधार स्तम्भों की आवश्यकता पर बल दिया प्रथम 'शिक्षा सिद्धान्त' था द्वितीय 'साम्यवाद'। प्लेटो ने अपनी पुस्तक रिपब्लिक में शिक्षा पर इतने विस्तार से लिखा कि रूसो ने रिपब्लिक को शिक्षा पर लिखा गया ग्रन्थ कहा।

- प्लेटो के अनुसार एक आदर्श राज्य नागरिकों के श्रेष्ठ चरित्र पर ही स्थित रह सकता है और नागरिकों में सदचरित्र और सद्गुणों का विकास शिक्षा द्वारा ही सम्भव है। प्लेटो का कथन है "शिक्षा मानसिक रोग का मानसिक उपचार है।"

57. "मानव चेतना स्वतन्त्रता की कामना करती है, स्वतन्त्रता में अधिकार शामिल हैं और अधिकार राज्य की माँग करते हैं।" यह किसने कहा?

(a) ग्रीन
(b) लास्की
(c) बार्कर
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (a/c) उपर्युक्त कथन को अपने शब्दों में अभिव्यक्त करने का श्रेय बार्कर को दिया जाता है तथा मूल विचार टी. एच. ग्रीन का है, अतः इस कथन के कथनकर्त्ता का सही चयन अभी तक विभिन्न आयोगों की उत्तर कुंजी में स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि अधिकांशतः इसे बार्कर का कथन मानते हैं।

58. इनमें से किसने 'आत्मपरक' तथा 'परात्मपरक' आचरण के मध्य अन्तर किया?

(a) जेम्स मिल
(b) जेरेमी बेन्थम
(c) जे.एस.मिल
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (c) 'जे. एस. मिल. ने 'आत्मपरक' तथा 'परात्मपरक' आचरण के मध्य अन्तर किया है। **जे.एस.मिल. के द्वारा** कार्य सम्बन्धि स्वतन्त्रता को पुनः दो भाग में बांटा गया।

1. **स्वविषयकः -** व्यक्ति के द्वारा किया जाने वाला ऐसा कार्य जिसका प्रभाव केवल करने वाले व्यक्ति पर ही पड़ता है राज्य के द्वारा व्यक्ति के इस कार्य में कोई हस्तक्षेप नहीं किया जाना चाहिए।
2. **परविषयकः-** पर विषयक कार्य की स्वतन्त्रता वह स्वतन्त्रता है जिसका प्रभाव कर्त्ता के साथ-साथ समाज के अन्य सदस्यों के उपर भी पड़ता है राज्य के द्वारा व्यक्ति के इस कार्य में हस्तक्षेप किया जा सकता है।

- 'आन लिबर्टी' में स्वतन्त्रता के विविध पक्षों का उसने वर्णन किया
- "एक संतुष्ट सुअर की अपेक्षा असन्तुष्ट मनुष्य होना श्रेष्ठ है और एक संतुष्ट मुर्ख कि अपेक्षा असन्तुष्ट सुकरात का होना अधिक अच्छा है।" जे.एस. मिल।

59. महात्मा गाँधी का 'राजानीतिक गुरु' किसे माना जाता है?

(a) तिलक
(b) गोखले
(c) दादाभाई नौरोजी
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (b) 'महात्मा गाँधी' का राजनीतिक गुरू 'गोपाल कृष्ण गोखले' को माना जाता है। सर्वप्रथम गोखले और गांधी जी की मुलाकात वर्ष 1896 में हुई थी तथा दूसरी मुलाकात वर्ष 1901 में कोलकाता में हुई। वर्ष 1912 में इन दोनों की मुलाकात पुनः दक्षिण अफ्रीका में हुई जहाँ गाँधी जी, गोखले की नेतृत्व शैली और संघर्ष के तरीकों से प्रभावित हुए। भारत आने के पश्चात गाँधी जी ने अंग्रेजों के विरुद्ध आन्दोलन के उन्ही तरीकों का प्रयोग किया।

60. तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' की संज्ञा किसने दी है?

(a) वैलेन्टाइन चिरोल
(b) वड्र्सवर्थ
(c) एनी बेसेन्ट
(d) इनमें से कोई नहीं

Ans : (a) बाल गंगाधर तिलक को 'भारतीय अशांति का जनक' 'वैलेन्टाइन चिरोल' ने कहा था।

- चिरोल लंदन में प्रकाशित समाचार पत्र 'द टाइम्स' के विदेशी मामलों के संवाददाता थे तथा भारतीय प्रवास के दौरान अपनी पुस्तक 'इंडिया अनरेस्ट' में उन्होंने तिलक को भारतीय अशांति का जनक बताया था।
- 1916 में लखनऊ में हुए कांग्रेस अधिवेशन में तिलक ने स्वराज की स्पष्ट मांग करते हुए कहा कि "स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।"